CHLORPYRIPHOS 20% EC

WOOD SHIELD™

WOODSHIELD TC

TERMITE KILLER

INSECTICIDE

Manufactured and Marketed by

60 YEARS OF HEALTH & HAPPINESS
Sujanil's

sujanil chemo industries

Gat No. 382, Mankarwadi Road, Urawade,
Tal. Mulshi, Dist. Pune-412115, Maharashtra.
www.sujanil.com

MANAGER CONSUMER AFFAIRS:
P. O. Box No. 1451, Pune-411037
PH.: 020-24270228 E-mail: sales@sujanil.com

CHLORPYRIPHOS 20% EC

WOOD SHIELD

INSECTICIDE

Wood shield is a formulation which can be diluted up to 10 times with Kerosene. It is recommended for protecting wood from the attack of termites and borers.

Chemical Composition :	**Content (%) w/w**
Chlorpyriphos Technical (purity 94% min.)	21.5%
Solvent : Aromax	72.5%
Emulsifler : Anionic - Alkyl aryl	
Sulphonate; Nonionic - Poly oxy ethylene ether	6.0%
	100.0%

It is recommended for protecting wood from the attack of termites and borers.

Recommendations for use : Spray the wood surfaces thoroughly ensuring complete coverage and absorption. Surfaces containing moisture need repeat application to achieve better control. Wood Shield prevents and protects the treated wood from infestation of termites and borers.

Method of application : Wood Shield can be applied by using air compressed sprayers fitted with hollow cone nozzle. Susceptible wood varieties can be treated by dipping to ensure through absorption.

Precaution : DO NOT USE ON FOOD CROPS. Aviod contact with skin, eyes and mouth. Wear protective clothing like apron, gloves, face shield and boots. Ensure adequate ventilation before and after the use.

Symptoms of poisoning : The early symptoms may be a combination of headache, giddiness, nausea, vomiting and convulsions, if swallowed.

First aid : Remove the patient from further exposure and wash contaminated, skin with plenty of water and soap. If eyes are contaminated, flush with clean water.

Drug Therapy / Antidote : Atropinize the patient immediately and maintain full atropinization by repeated doses of 2 to 4 mg at 5 - 10 minutes interval. Administer 1-2 g of 2 - PAM dissolved in 10cc of distilled water and inject intravenously, very slowly for 10-15 minutes.

Storage : The package containing the formulated grade insecticides should be stored in original containers in separate room or almirah under lock and key depending on the quantity of insecticide, away from the reach of children, food stuffs, animals feeds and other articles and keep in cool and dry place. The premises for storage should be well built, well lit, sufficient in dimension and well ventilated.

Disposal of empty Containers : The empty containers should never be re - used and should be destroyed and buried in a safe place. Dispose off packages or surplus material and washing in safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

English

क्लोरपायरीफॉस २०% ईसी

वूड शील्ड

कीटनाशक

वूड शील्ड एक संरचना है जिसे केरोसीन के साथ १० गुना मंद किया जा सकता है। काष्ट को दीमक और वेधक कीड़ों से बचाने के लिए अनुमोदित है।

रासायनिक रचना :	**मात्रा (%) भार/भार**
क्लोरपायरीफोस टेकनीकल (अल्पतम शुद्धि ९४%)	२१.५%
सोल्वन्ट : एरोमैक्स	७२.५%
इमल्सीफायर : अनायोनिक-आल्किल एरिल	
सल्फोनेट : नॉन आयोनिक-पॉली ऑक्सी इथायलीन इथर	६.०%
कुल	१००.००

काष्ट को दीमक और वेधक कीड़ों से बचाने के लिए अनुमोदित है।।

उपयोग की सिफारिश : काष्ट के पृष्ठभाग को संपूर्ण प्रसारण और शोषण स्थिर करके छिड़काव करें। जिस पृष्ठभाग को आर्द्रता लगी हो उस पर अच्छे नियंत्रण के लिए फिरसे छिड़काव करें। वूड शील्ड उपचारित काष्ट को दीमक और वेधक ग्रसन से प्रतिबन्धक और सुरक्षित करता है।

उपयोग की विधि : वूड शील्ड को वायु संपीडक छिड़काव यंत्र जिसमें होलोकोन नॉज़ल लगा हो उसका उपयोग करें। दुर्बल उपजातीय काष्ट को नली से स्थिर कर संपूर्ण शोषण से उपचार कर सकते हैं।

सावधानियाँ : खाद्य फसलों पर उपयोग न करें। त्वचा और आँखों को दूषित न होने दें। दूषित परिहारण के लिए हाथों के दास्तान, मुखवटा और चश्मा का उपयोग करें। उपयोग के पहले और पश्चात पर्याप्त हवा-प्रकाश स्थिर करें।

विषबाधा के लक्षण : प्रारंभिक लक्षण सिरदर्द, चक्कर, सीने में तनाव, उबकाई, उल्टी और ऐंठन का मिश्रण हो सकते हैं।

प्रथमोपचार : मरीज़ को ज़्यादा असर से बचाने के लिए वहाँ से दूर करे. यदि त्वचापर लगा हो तो फौरन साबुन और भरपूर पानी से धो डालिए। आँखो में जानेसे अच्छी तरह स्वच्छ पानी से धोइये।

औषधोपचार/विषनाशक : रोगी को फौरन एट्रोपीन दीजिए और घंटों तक २ से ४ मिलिग्राम एट्रोपिन की खुराक हर ५ से १० मिनिट के अंतर में देते रहिए। २ पीएएम की इंजेक्शन से १-२ ग्राम की मात्रा १० सीसी डिस्टिल्ड पानी में धुलाके रोगी को बहुत धीरे धीरे १० से १५ मिनिट का समय लेते हुए नसों के जरिये दीजिए।

संचय : कीटनाशक के डिब्बों को अलग कमरे या जगह में रखिये तथा अन्य खाद्य पदार्थ रखनेवाली जगह से दूर रखिए। कीटनाशक के प्रकार और मात्रानुसार अलग अलमारी में तालाबंद करके रखना चाहिये। कीटनाशक को बच्चों की पहुँच, खाद्य पदार्थ एवं पशु आहार से दूर रखें। कीटनाशक रखनेवाला कमरा या जगह खुली, मजबूत, रोशनदार, प्रकाशयुक्त तथा बड़े आकारवाली होनी चाहिये ताकि बाष्प से दूषित न हो।

खाली डिब्बों को नष्ट करना : खाली डिब्बों का कभी पुनर्प्रयोग न हों और नष्ट करके ज़मीन में गाड़ दें। डिब्बें, बचा हुआ कीटनाशक तथा यंत्रों की धुलाई के पानी को सावधानी से एक तरफ फेंके ताकि वातावरण या पानी दूषित न हो।

Hindi

क्लोरपायरीफॉस २०% ईसी

वूड शील्ड

कीटनाशक

वूड शिल्ड हे एक दहा पट केरोसिनमध्ये विरळ करून वापरता येण्याजोगे रसायन आहे. हे रसायन लाकूड पोखरणारी आळी आणि वाळवीच्या हल्ल्यापासून लाकडाचे संरक्षण करते.

रासायनिक संरचना :	**प्रमाण (%) व/व**
क्लोरपायरिफॉस (शुद्धता ९४% किमान)	२१.५%
सॉल्व्हंट : ॲरोमॅक्स	७२.५%
इमल्सिफायर : ॲनिऑनिक-अल्किल अरिल	
सल्फोनेट : नॉन अयॉनिक-पॉलिऑक्सी इथिलिन इथर	६.०%
एकूण	१००.००

हे रसायन लाकूड पोखरणारी आळी आणि वाळवीच्या हल्ल्यापासून लाकडाचे संरक्षण करते.

शिफारशीचे प्रमाण : लाकडी पृष्ठभागावर व्यवस्थित, पूर्णत: पसरेल व लाकडात शोषल्या जाईल अशाप्रकारे फवारणी करा. पृष्ठभाग दमट असलेल्या लाकडावर, चांगल्या संरक्षणासाठी पुन: फवारणी करा. वूड शिल्ड हे लाकडाला वाळवी आणि पोखरणाऱ्या किडीपासून सुरक्षित करते.

वापरण्याची पद्धत : वूड शिल्ड एअर कम्प्रेस्ड स्प्रेयर्स, ज्यात हॉलोकोन नोजल बसविलेले असेल त्याचा वापर करा. हलक्या प्रतिच्या/जातीच्या लाकडाला, बुडवून संपूर्ण शोषणाने उपचार करू शकता.

खबरदारी : खाद्य पिकावर वापर करू नये. त्वचा आणि डोळे यांचा संपर्क टाळा. मास्क आणि गॉगल्स वापरावेत. वापरापूर्वी, वापरताना व नंतर हवा पुरेशी खेळती राहील अशी काळजी घ्या.

विषबाधेची लक्षणे : गिळले गेल्यास डोकेदुखी, चक्कर येणे, मळमळ, उलटी आणि आंकडी येणे अशी प्राथमिक लक्षणे दिसून येतात.

प्रथमोपचार : त्वचेशी संपर्क झाल्यास त्वचा साबण व भरपूर पाण्याने धुवा. डोळ्यात गेल्यास डोळे स्वच्छ पाण्याने धुवा.

औषधोपचार/उतारा : रूग्णास त्वरित ॲट्रोपिन द्यावे आणि २ ते ४ मि.ग्रा. ॲट्रोपिन दर ५ ते १० मिनिटाच्या अंतराने देत राहा. २ पीएएम च्या इंजेक्शनने १-२ ग्रामचे प्रमाण १० सिसि. डिस्टिल्ड पाण्यात मिसळून हळू-हळू १० ते १५ मिनिटे देत राहा.

साठवण : हे द्रावण असलेले किटकनाशक असणारी पॅकेजिस मूळ डब्यात, वेगळ्या खोली वा कुलुपबंद कपाटात ठेवावीत, किटकनाशकाच्या दर्जानुसार, मुलांपासून दूर, अन्नपदार्थ, जनावरांची दाणावैरण आणि इतर वस्तूंपासून, थंड व कोरड्या जागी ठेवावी. हे किटकनाशक साठा करून ठेवण्याची जागा उत्तम बांधणीची, भरपूर उजेडाची, पुरेशी मोठी असावी आणि हवा खेळती राहणारी असावी.

रिकाम्या डब्यांची विल्हेवाट : रिकामी डबे पुन: अन्य कामासाठी वापरले जावू नयेत म्हणून मोडून-तोडून जमिनीत पुरावीत. पॅकेजिस किंवा उरलेले द्रावण किंवा फवारणीची उपकरणी धुतलेले पाणी यांची विल्हेवाट पर्यावरण किंवा पाणी प्रदूषित होणार नाही अशा सुरक्षित पद्धतीने लावावी.

Marathi